IUJ in Press

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 12 मार्च, 2024
www.azadsipahi.in
04

महत्वपूर्ण खबरें

इक्फाई विश्वविद्यालय में जागरूकता सत्र

रांची (आजाद सिपाही)। इक्फाई विश्वविद्यालय ने महिलाओं में निवेश की प्रगति में तेजी लायें, विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। आमंत्रित विशेष अतिथियों में अधिवक्ता वंदना सिंह मौजूद थीं। कुलपति प्रो डॉ रमन झा ने विचार साझा किये। डीन डॉ शोवोना चौधरी ने भी इस विषय पर अपने विचार रखे। इस बात पर चर्चा की गयी कि लैंगिक समानता सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है। महिलाओं में निवेश एक मानवाधिकार अनिवार्यता है और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रजेंटेशन में भाग लिया। इक्फाई लॉ स्कूल के सहायक डीन डॉ आलोक कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
रांची 12-03-2024

इक्फाई विवि में 'महिलाओं में निवेशः प्रगति में तेजी लाएं' पर जागरूकता सत्र

रांची | इक्फाई विवि ने सोमवार को 'महिलाओं में निवेशः प्रगति में तेजी लाएं' विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इसमें झारखंड उच्च न्यायालय की अधिवक्ता वंदना सिंह और श्रुति श्रेष्ठ उपस्थित हुईं। कुलपति प्रो डॉ रमन कुमार झा, डीन छात्र कल्याण डॉ शोवोना चौधरी ने लैंगिक समानता पर अपनी बात रखी। कहा कि महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है। छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रेजेंटेशन में भाग लिया। विश्वविद्यालय के स्टॉफ, छात्र उपस्थित थे।

Morning India
RANCHI, TUESDAY, MARCH 12, 2024

ICFAI University organized awareness session on the theme "Invest in women: Accelerate progress"

THE ICFAI University Jharkhand organized awareness session on the theme "Invest in women: Accelerate progress". The special guests invited were Ms. Vandana Singh, Advocate, Jharkhand High Court, Ranchi and Ms. Shruti Shrestha, Advocate, Jharkhand High Court, Ranchi.

On this occasion the Vice Chancellor, Prof. (Dr.) Raman Kr. Jha shared his insightful thoughts. The Dean (Student Welfare) -Dr. Shovona Choudhury also shared her thoughts on the day. It was discussed that Gender equality remains the greatest human rights challenge. Investing in women is a human rights imperative and cornerstone for building inclusive societies. Progress for women benefits us all.

On this occasion students participated in poster presentation. The students were provided a platform to showcase their talent on this occasion. Faculty, staff members and all the students of The ICFAI University Jharkhand participated in the event with great enthusiasm. The event concluded with the vote of thanks delivered by Dr. Alok Kumar, Asst Dean, The ICFAI Law School.

एक संदेश

12 मार्च 2024, मंगलवार, रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय में महिला सशक्तिकरण में निवेश, प्रगति का परिचायक विषयक जागरूकता सत्र आयोजित

एक संदेश संवाददाता

.....

रांचीः इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने महिला सशक्तिकरण में निवेश, प्रगति का परिचायक विषयक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस जागरूकता सत्र में आमंत्रित विशेष अतिथियों में वंदना सिंह, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची और श्रुति श्रेष्ठ, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची थीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने अपने विचार साझा किये।

डीन (छात्र कल्याण) डॉ. शोवोना चौधरी ने भी इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस बात पर चर्चा की गई कि लैंगिक समानता सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निवेश मानवाधिकार अनिवार्यता है और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रेजेंटेशन में भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और सभी छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का समापन इक्फाई लॉ स्कूल के सहायक डीन डॉ. आलोक कुमार द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

इक्फाई विश्वविद्यालय में "महिला सशक्तिकरण में निवेश, प्रगति का परिचायक" विषयक जागरूकता सत्र आयोजित

विशेष संवाददाता

रांची। इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने ÷महिला सशक्तिकरण में निवेश, प्रगति का परिचायक÷ विषयक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस जागरूकता सत्र में आमंत्रित विशेष अतिथियों में वंदना सिंह, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची और श्रुति श्रेष्ठ, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची थीं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने अपने

विचार साझा किये। डीन (छात्र कल्याण) डॉ. शोबोना चौधरी ने भी इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस बात पर चर्चा की गई कि लैंगिक समानता सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निवेश मानवाधिकार अनिवार्यता है और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रेजेंटेशन में भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में इक्फ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और सभी छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम का समापन इक्फ़ाई लॉ स्कूल के सहायक डीन डॉ. आलोक कुमार द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है लैंगिक असमानता

नवीन मेल संवाददाता। रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने 'महिलाओं में निवेश : प्रगति में तेजी लाएं' विषय पर सोमवार को जागरूकता सत्र का आयोजन किया। आमंत्रित विशेष अतिथियों में वंदना सिंह, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची और श्रुति श्रेष्ठ, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची थीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो (डॉ) रमन कुमार झा ने अपने गहन विचार साझा किए। डीन (छात्र कल्याण) डॉ शोवोना चौधरी ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किए। इस बात पर चर्चा की गई कि लैंगिक असमानता सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है। महिलाओं में निवेश एक मानवाधिकार अनिवार्यता है और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रेजेंटेशन में भाग लिया। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और सभी छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का समापन इक्फाई लॉ स्कूल के सहायक डीन डॉ आलोक कुमार के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

महिलाओं की प्रगति से होता है सभी को लाभ

इक्फाई विश्वविद्यालय में महिलाओं में निवेश : प्रगति में तेजी लाएं विषय पर जागरूकता सत्र

रांची:इक्फाई श्वविद्यालय झारखंड ने महिलाओं में निवेशः प्रगति में तेजी लाएं विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। आमंत्रित विशेष अतिथियों में सुश्री वंदना सिंह, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची और सुश्री श्रुति श्रेष्ठ, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची थीं।इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन क्र. झा ने अपने गहन विचार साझा किये। डीन (छात्र कल्याण)-डॉ. शोवोना चौधरी ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किये। इस बात पर चर्चा की गई कि लैंगिक समानता सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है। महिलाओं में निवेश एक मानवाधिकार अनिवार्यता है और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है।इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रेजेंटेशन में भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में इक्फाई श्व विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और सभी छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का समापन इक्फाई लॉ स्कूल के सहायक डीन डॉ. आलोक कुमार द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

राष्ट्रीय सागर

ब्रीफ न्यूज

इक्फाई विश्वविद्यालय में जागरूकता सत्र आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : इक्फाई श्वविद्यालय झारखंड ने श्महिलाओं में निवेशः प्रगति में तेजी लाएंश विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। आमंत्रित विशेष अतिथियों में वंदना सिंह, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची और श्रुति श्रेष्ठ, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची थीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन क्र. झा ने अपने गहन विचार साझा किये। डीन (छात्र कल्याण)-डॉ. शोवोना चौधरी ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किये। इस बात पर चर्चा की गई कि लैंगिक समानता सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है। महिलाओं में निवेश एक मानवाधिकार अनिवार्यता है और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रेजेंटेशन में भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में इक्फाई श्व विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और सभी छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का समापन इक्फाई लॉ स्कूल के सहायक डीन डॉ. आलोक कुमार द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

इक्फाई विश्वविद्यालय में 'महिला सशक्तिकरण में निवेश प्रगति का परिचायक' विषयक जागरूकता सत्र आयोजित

संवाददाता

रांची : इक्फ ई विश्वविद्यालय, झारखंड ने 'महिला सशक्तिकरण में निवेश, प्रगति का परिचायक' विषयक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. रमन कुमार झा व डीन (छात्र कल्याण) डा. शोवोना चौधरी ने अपने विचार साझा किये। इस चर्चा की गई कि लैंगिक समानता सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निवेश मानवाधिकार अनिवार्यता है और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रेजेंटेशन में भाग लिया। इस कार्यक्रम में इक्फ ई विश्वविद्यालय झारखंड के संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और सभी विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस जागरूकता सत्र में आमंत्रित विशेष अतिथियों में वंदना सिंह, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची और श्रुति श्रेष्ठ, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची शामिल थीं। कार्यक्रम का समापन इक्फाई लॉ स्कूल के सहायक डीन डा. आलोक कुमार द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

'सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता' पर कार्यशाला का उद्घाटन

छाया : राजकुमार

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में शनिवार को "सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनानाः कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता" पर कार्यशाला का उद्घाटन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को मानव के रूप में सद्भाव बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण किया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ. एस. चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों— पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता श्री संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर — ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है — हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है। मानव होना जो है वह किसी भी तरह से आविष्कार के लिए खुला है। कार्यशाला के लिए डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 12 मार्च, 2024
www.azadsipahi.in
04

महत्वपूर्ण खबरें

इक्फाई विश्वविद्यालय में जागरूकता सत्र

रांची (आजाद सिपाही)। इक्फाई विश्वविद्यालय ने महिलाओं में निवेश की प्रगति में तेजी लायें, विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। आमंत्रित विशेष अतिथियों में अधिवक्ता वंदना सिंह मौजूद थीं। कुलपति प्रो डॉ रमन झा ने विचार साझा किये। डीन डॉ शोवोना चौधरी ने भी इस विषय पर अपने विचार रखे। इस बात पर चर्चा की गयी कि लैंगिक समानता सबसे बड़ी मानवाधिकार चुनौती बनी हुई है। महिलाओं में निवेश एक मानवाधिकार अनिवार्यता है और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। महिलाओं की प्रगति से हम सभी को लाभ होता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रजेंटेशन में भाग लिया। इक्फाई लॉ स्कूल के सहायक डीन डॉ आलोक कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

इक्फाई विवि में कार्यशाला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 'सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता' पर कार्यशाला का उद्घाटन इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया। इसमें प्रतिभागियों को मानव के रूप में सद्भाव बनाने और बनाये रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण किया गया।

कुलपति प्रो. (डॉ) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता श्री संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो (डॉ) जेबी पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

इक्फाई युनिवर्सिटी में कार्यशाला का उद्घाटन

जागरण संवाददाता, रांची : इक्फाई युनिवर्सिटी झारखंड में सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना, कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। इसमें प्रतिभागियों को सद्भाव बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल की जानकारी दी गई। कुलपति प्रोफेसर डा. रमन कुमार झा ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। अतिथि वक्ता डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक संजय कुमार सिंह ने कहा कि ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा व समझ को बढ़ावा देती है, हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। इस दौरान बताया गया कि आप जो भी कार्य करें, मनोयोग से करें। इससे आपका काम बेहतर होगा। बिना मन से किया गया कार्य ठीक नहीं होता। कार्यशाला को डीन (छात्र कल्याण) डा. एस चौधरी, रजिस्ट्रार प्रोफेसर डा. जेबी पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो. अरविंद कुमार ने भी संबोधित किया।

एक संदेश

05 मई 2024, रविवार, रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय में कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता विषय पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

रांची : सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना और कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता विषयक एक कार्यशाला का आयोजन शनिवार को इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ. एस. चौधरी ने कहा कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन

प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है। मानव होना जो है वह किसी भी तरह से आविष्कार के लिए खुला है।

प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जे.बी. पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

एक्यूएआर पूर्व में ही ससमय अपलोड किया जा चुका है।

इक्फाई विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में शनिवार को 'सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता', विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो रमन कुमार झा ने कार्यशाला का उद्देश्य बताया। डीन छात्र कल्याण डॉ एस चौधरी, अतिथि वक्ता संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक मौजूद रहे। प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे।

इक्फाइ विवि में कार्यशाला का आयोजन

रांची. इक्फाइ विवि, झारखंड में शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका विषय सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता था. मौके पर कुलपति डॉ रमन कुमार झा ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है. डीएसडब्ल्यू डॉ एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनइपी– 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभ– पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गयी है. इस अवसर पर डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली के संस्थापक निदेशक संजय कुमार सिंह ने भी विचार व्यक्त किये. रजिस्ट्रार डॉ जेबी पटनायक और एकेडमिक डीन प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं.

प्रभात खबर
Sunday, May 5, 2024
Ranchi-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/66368cc8293365e8fd6176e9

एक संदेश

05 मई 2024, रविवार, रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय में कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता विषय पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

रांची : सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना और कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता विषयक एक कार्यशाला का आयोजन शनिवार को इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ. एस. चौधरी ने कहा कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर – ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है – हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है। मानव होना जो है वह किसी भी तरह से आविष्कार के लिए खुला है।

प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जे.बी. पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

इक्फाई विवि में कार्यशाला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 'सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता' पर कार्यशाला का उद्घाटन इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया। इसमें प्रतिभागियों को मानव के रूप में सद्भाव बनाने और बनाये रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण किया गया।

कुलपति प्रो. (डॉ) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता श्री संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो (डॉ) जेबी पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय सागर | विविध | रांची | रविवार, 5 मई 2024 | 12
web: rashtriyasagar.com

इक्फाई विवि झारखंड में कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनानाः कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता पर कार्यशाला का उद्घाटन इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को मानव के रूप में सद्भाव बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण किया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ.एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है। मानव होना जो है वह किसी भी तरह से आविष्कार के लिए खुला है। कार्यशाला के लिए डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) जेबी पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 26 अप्रैल, 2024
www.azadsipahi.in
04

इक्फाई विवि में कार्यशाला 4 मई से

रांची (आजाद सिपाही)। इक्फाई विश्वविद्यालय में 4 और 5 मई को कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रो रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। कार्यशाला के संयोजक डॉ एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनइपी के पांच मार्गदर्शक स्तंभों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। बताया कि गहरी बातचीत में शामिल होकर ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है। हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी सहज क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। इच्छुक शिक्षाविद 2 मई तक पंजीकरण करके इस कार्यशाला में शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 7257004502-7257004503 संपर्क कर सकते हैं।

हिन्दुस्तान रांची, शुक्रवार, 26 अप्रैल 2024 04

इक्फाई विश्वविद्यालय में कार्यशाला चार से

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय में 4 और 5 मई कार्यशाला का आयोजन होगा। प्रतिभागियों को सद्भाव बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से लैस करने के लिए इसका आयोजन किया जा रहा है। कुलपति डॉ रमन कुमार झा ने कहा, कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। संयोजक डीन (छात्र कल्याण) डॉ एस चौधरी ने बताया कि तैयारी जारी है।

इक्फाइ विवि में चार मई से कार्यशाला

रांची. इक्फाइ विवि में चार मई से दो दिवसीय सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. कुलपति डॉ रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है. कार्यशाला के संयोजक डीएसडब्ल्यू डॉ एस चौधरी ने बताया कि कार्यशाला में शामिल होने के लिए दो मई तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं.

प्रभात खबर
Friday, April 26, 2024
Ranchi-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/662aacb4c246f7483057a32b

राष्ट्रीय नवीन मेल
रांची, शुक्रवार, 26 अप्रैल 2024
रांची सिटी

इक्फाई विवि में सद्भाव के महत्व पर कार्यशाला 4 मई से

नवीन मेल संवाददाता। रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड आगामी 4 और 5 मई को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेगा। इसका विषय 'सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना, कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता' है। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को सद्भाव बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से लैस करना है। कुलपति प्रो (डॉ) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक साधन और रणनीतियां प्रदान करना है। कार्यशाला के संयोजक डीन (छात्र कल्याण), डॉ एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों - पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही - को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। डॉ चौधरी ने बताया कि गहरी बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी सहज क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर, बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के लिए डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। इच्छुक शिक्षाविद 2 मई तक पंजीकरण कराके इस कार्यशाला में शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक प्रतिभागी 7257004502, 7257004503 पर संपर्क कर सकते हैं। डीन (अकादमिक) प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं।

पूर्वांचल सूर्य
रांची ➢ शुक्रवार ➢ 26 अप्रैल 2024

इक्फाई विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ 4मई को

सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना और कार्य में प्रेम व स्वतंत्रता विषय पर होगी चर्चा

विशेष संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के तत्वावधान में 4 और 5 मई, 2024 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को सद्भाव बनाने और बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से लैस करने के लिए महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराया जाएगा।

कुलपति प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियां प्रदान करना है। कार्यशाला के संयोजक- डीन (छात्र कल्याण), डॉ.एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। डॉ.एस चौधरी ने बताया कि गहरी बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है। हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी सहज क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। ये बातचीत न केवल हमारे भीतर बल्कि हमारे रिश्तों, कार्यस्थलों और समुदायों में भी परिवर्तनकारी परिवर्तन को खोलने की कुंजी रखती है।

कार्यशाला के लिए डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। इच्छुक शिक्षाविद दो मई 2024 तक पंजीकरण करके इस कार्यशाला में शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये, इच्छुक प्रतिभागी +91 7257004502/ +91 +917257004503 संपर्क कर सकते हैं। अथवा dean.sw@iujharhand.edu.in Âर मेल कर सकते हैं। डीन (अकादमिक) प्रो.अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं। रजिस्ट्रार प्रो.(डॉ.)जेबी पटनायक ने कार्यशाला की सफलता की शुभकामनाएं दी।